स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल

बदल रहे है प्रदेश में शिक्षा की तस्वीर

– अमनदीप
जनसम्पर्क अधिकारी

जहां एक समय पर राजकीय विद्यालयों में शिक्षा गुणवत्ता के प्रति संशय व्यक्त किया जाता था वहीं आज इस धारणा में सकारात्मक परिवर्तन घटित होता हुआ स्पष्ट दिखाई दे रहा है। इस परिवर्तन के मुख्य स्रोत बन कर उभरे हैं स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल। आधुनिक परिसर युक्त व शिक्षा संसाधन सम्पन्न स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल राज्य के 134 ब्लॉक में शैक्षिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षा के उत्कृष्ट केन्द्र के रूप में कार्य कर रहे हैं। उपयुक्त छात्र-शिक्षक अनुपात, हाउस सिस्टम, आदर्श शैक्षिक वातावरण, प्रासंगिक व रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम, दिव्यागों के लिए समन्वित शिक्षा, बालिका शिक्षा, स्कूलों में आईसीटी (सूचना और संचार प्रौद्योगिकी) का उपयोग, मॉडल स्कूलों की मुख्य विशेषताएं हैं।

स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल आइसीटी लैब, वर्चुअल व स्मार्ट क्लासरूम, इंग्लिश लैब, के-यान प्रोजेक्टेर, डिजिटल लाइब्रेरी, सीसीटीवी कैमरा व सेन्ट्रलाइज्ड साउण्ड सिस्टम से युक्त है तथा गरीब परिवार से आने वाले विद्यार्थियों को निजी स्कूलों के समान शैक्षिक सुविधाएं सुलभ करा रहे हैं।

134 मॉडल स्कूलों में से 71 स्कूलों में विज्ञान क्लब व स्टार्ट अप बूस्ट क्लब का सचांलन किया जा रहा है जो एक भविष्योन्मुखी सोच का परिचायक है। अधिकांश मॉडल स्कूलों में अटल टिंकरिंग लैब्स स्थापित की गयी हैं जिनमें विद्यार्थी तकनीकी एवं वैज्ञानिक कौशल सीखते हैं। इन लैब्स में विद्यार्थियों को उन्नत यंत्रों व उपकरणों के माध्यम से विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित की अवधारणाओं को समझने का अवसर मिलता है। ये लैब्स - विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक्स से सम्बंधित उपकरणों, ओपन-सोर्स माइक्रोकंट्रोलर बोर्ड, सेंसर और 3 डी प्रिंटर और कंप्यूटर से युक्त हैं।

बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने हेतु मॉडल स्कूलों में 55 प्रतिशत सीट बालिकाओं हेतु आरक्षित रखी गयी है तथा कक्षा 6 से 12 की छात्राओं को ट्रांसपोर्ट वाउचर की सुविधा प्रदान की गयी है। छात्राओं हेतु सैनेटरी नैपकिन, डिस्पेंसर व इन्सीनरेटर भी उपलब्ध कराये जाते हैं। मॉडल स्कूल की 10वीं की छात्राओं को सीबीएसई की बोर्ड परीक्षा में राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर विदेश में चार साल पढ़ने का मौका मिलता है जिसका सारा खर्चा सरकार वहन करती है।

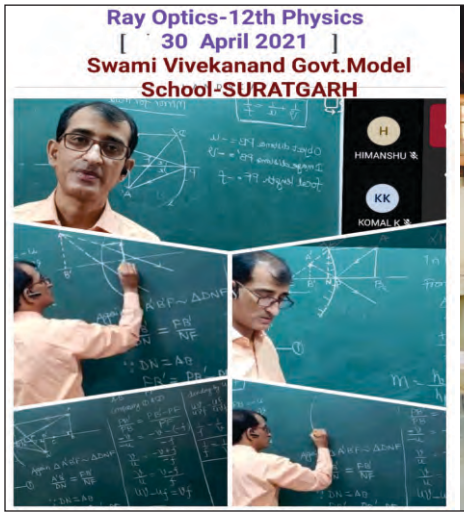

मॉडल स्कूलों में विद्यार्थियों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता हैं तथा प्रत्येक विद्यार्थी हेतु स्वास्थ्य कार्ड जारी किया जाता है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु मॉडल स्कूलों में विभिन्न पाठ्यतर गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। क्लस्टर एवं स्टेट लेवल पर मॉडल स्कूलों में आर्ट एण्ड क्राफ्ट प्रतियोगिता, सोशल साईंस एक्जीबिशन, साईंस फेयर, मेथ्स ऑलम्पियाड, इग्लिश एवं हिन्दी एक्सटेम्पोर तथा अंग्रेजी नाटक का आयोजन किया जाता है जिनमें भाग लेने से विद्यार्थियों में रचनात्मकता और आत्मविश्वास का विस्तार होता है।

निजी स्कूलों की तर्ज पर विद्यार्थियों को वर्ष में चार बार एक्सपोजर विजिट पर ले जाया जाता है तथा ग्रीष्मावकाश मे अभिरुचि कक्षाओं का संचालन होता है। इसके अलावा सभी मॉडल स्कूलों में स्कूल बैंड है तथा बैंड प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाता है। प्रतिमाह मॉडल स्कूलों में शिक्षक अभिभावक बैठक आयोजित की जाती है। स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल के अनेक छात्र जेईई व नीट जैसी कठिन परीक्षाओं को उत्तीर्ण करके आईआईटी और एम्स जैसे देश के प्रतिष्ठित सस्थानों में अध्ययन कर रहे हैं जो राज्य के लिये गौरव का विषय है। स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूलों का शत-प्रतिशत वित्तीय प्रबंधन राज्य सरकार द्वारा किया जा रहा है।

विवेकानंद मॉडल स्कूल ने दी हिमांशु के सपनों को एक नई उडान

कहते हैं कि शिक्षा में किया गया निवेश सर्वाधिक लाभकारी प्रतिफल देता है। गंगानगर जिले के सूरतगढ़ ब्लॉक में स्थित राजकीय विवेकानंद मॉडल स्कूल वर्षो से इसी वाक्य को चरितार्थ कर रहा है। इसका एक उत्तम उदाहरण है जिले के छोटे से गांव जैतपुर से सम्बन्ध रखने वाले हिमांशु मक्कड जो शुरू से ही मेधावी छात्र थे। दसवीं कक्षा पास करने के बाद समान्य परिवार से आने वाले हिमांशु के सामने एक बडी दुविधा थी। एक तरफ निजी स्कूलों की भारी भरकम फीस थी, दूसरी तरफ सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर अच्छा ना होने की प्रचलित छवि। परन्तु जब हिमांशु ने राजकीय विवेकानंद मॉडल स्कूल, सूरतगढ़ में प्रवेश लिया तो ना सिर्फ ये धारणा टूटी अपितु इस प्रतिभाशाली छात्र के जीवन में शैक्षिक एवं व्यक्तिगत प्रगति के एक नये अध्याय का सूत्रपात हुआ।

अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त इस विद्यालय ने हिमांशु के सपनों को एक नयी उड़ान दी। किसी भी निजी विद्यालय परिसर से प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम राजकीय मॉडल स्कूल, सूरतगढ़ के भव्य परिसर में एक ओर हिमांशु को वर्तमान की पेशेवर आवश्यकताओं के अनुरूप अंग्रेजी व आईटी के विशिष्ट अध्ययन का अवसर मिला वहीं सर्वांगीण विकास हेतु पाठ्यतर गतिविधियों में भी भाग लेने का मौका मिला। बस फिर क्या था, शिक्षकों ने हिमांशु की प्रतिभा को परिलक्षित किया तथा संसाधनों की उपलब्धता ने मार्ग को सहज। वर्ष 2020 में टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज और कर्नाटक सरकार के आईटी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित नेशनल रूरल आई टी क्विज में हिमांशु ने देशभर में प्रथम स्थान हासिल कर राजस्थान का नाम आईटी हब बेंगलुरु में रोशन किया। इस उपलक्ष्य में उन्हें 1 लाख रुपये की छात्रवृत्ति मिली। हिमांशु ने अपनी इस असाधारण उपलब्धि का श्रेय विद्यालय की आईसीटी लैब व अपने व्याख्याता श्री सुरेश राजपुरोहित को दिया। शिक्षकों की प्रेरणा से हिमांशु अब एनडीए की तैयारी कर रहे हैं और कोई आश्चर्य नहीं होगा यदि शीघ्र ही वे एक सैन्य अधिकारी के रूप में देश की सेवा करते दिखाई दे।

ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले राजकीय विद्यालय के छात्र का नेशनल आईटी क्विज में प्रथम स्थान प्राप्त करना इस विद्यालय में शिक्षा के स्तर का एक जीवन्त उदाहरण है। यह विद्यालय गत वर्ष सोशल साइंस फेयर में राज्य भर में प्रथम रहा तथा इंटर स्कूल बैंड कम्पीटिशन इवेंट्स में विगत वर्ष फलोदी, जोधपुर में मॉडल स्कूल सूरतगढ़ की बालिका टीम राज्य स्तरीय विजेता रही।

यही नहीं माननीय प्रधानमंत्री से परीक्षा की चर्चा कार्यक्रम में प्रथम सवाल भी विद्यालय की छात्रा यशश्री ने ही पूछा। माइक्रोसॉफ्ट टीम्स एप के जरिए पिछले लॉकडाउन के समय से ही मॉडल स्कूल के शिक्षक राजेंद्र के नेतृत्व में पूरी टीम ऑनलाइन अध्यापन में समर्पित भाव से जुटी हुई है। विद्यालय में खेल प्रतिभाएं तराशने हेतु परिसर में रेतीले टीले के समतलीकरण के लिये प्रधानाचार्य श्री बजरंग लाल भादू ने 21000 रुपये ज्ञान संपर्क पोर्टल के द्वारा भेंट किए। भामाशाहों के सहयोग तथा विद्यालय प्रशासन के सघन प्रयासों से खेल मैदान एवं गार्डन विकसित करने का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। •